महत्वपूर्ण एवं खास

लंबित अपराधों को लेकर मातहतों पर भड़के आईजी

दुर्ग-रायपुर (आरएनएस)। पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक छावनी कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गर्ग ने लंबित गंभीर अपराधों और शिकायतों का सूक्ष्मता से विश्लेषण करते हुए उनके त्वरित निपटारे के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। क्राइम डाइजेस्ट रजिस्टर की जिन कर्मचारियों द्वारा कर्तव्यों के प्रति लापरवाही की जाएगी उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान रोजनामचा एंट्री को समय पर वरिष्ठ कार्यालयों में नहीं भेजने वाले थाना प्रभारियों को फटकार लगाई गई और उन्हें सुधारने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। आईजी गर्ग ने नगर पुलिस अधीक्षक छावनी हरीश पाटिल और उपस्थित थाना प्रभारियों को गुंडा-बदमाशों, चाकूबाजों और आदतन अपराधियों पर कड़ी नजर रखने, उनकी लगातार चेकिंग करने और उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंतर्गत कार्यालय में रखे गए विभिन्न महत्वपूर्ण रजिस्टर जैसे अपराध डायजेस्ट, मर्ग, शिकायत, केस डायरी मूवमेंट, रोजनामचा विवरण, परवाना रजिस्टर आदि की जांच की गई। साथ ही, उन्होंने वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त निर्देशों का समय पर पालन सुनिश्चित करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने के भी निर्देश दिए।

16 से 27 तक छग पीएससी लेगा साक्षात्कार

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2023 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए जरूरी खबर निकलकर सामने आई है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने इंटरव्यू नई तारीख का ऐलान कर दिया है। अब 16 नवंबर से अभ्यर्थियों का इंटरव्यू होगा, जो 27 नवंबर तक चलेगा। आपको बता दें कि इससे पहले इंटरव्यू की तारीख 15 अक्टूबर थी। लेकिन नए सदस्यों और कार्यवाहक अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि के कारण आयोग ने साक्षात्कार स्थगित कर दिया था। जिसके बाद आज अयोग ने नई तारीख का ऐलान कर दिया है। अब उम्मीदवारों को 16 से 27 नवंबर तक इंटरव्यू देना होगा। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 के परीक्षा परिणाम के आधार पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने कुल 3597 अभ्यर्थियों का मुख्य परीक्षा के लिए चयन किया था। पीएससी की लिखित परीक्षा 24, 25, 26 और 27 जून 2024 को आयोजित की गई थी। योग्य उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अपने दस्तावेज तैयार रखें और साक्षात्कार के दिन उन्हें साथ लेकर आएं। उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक अधिसूचना देख सकते हैं।

बोलेरो से भिड़े बाइक चालक, दो की मौत

गरियाबंद-रायपुर (आरएनएस)। नेशनल हाईवे पर बोलेरो से टकराकर बाइक चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच में जुटी. यह घटना नेशनल हाइवे 130 सी में देवभोग थाना क्षेत्र के डोहेल ग्राम के पास की है. देवभोग से जा रही बोलेरा वाहन से मूडागांव की ओर से आ रही बाइक की सीधी टक्कर हो गई. टक्कर इतना जबरदस्त था कि बाइक चालक व सवार 20 मीटर दूर फेंका गए. हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए. वहीं बोलेरा का सामने का हिस्सा उखड़ गया है. हादसे में बाइक चालक भवनों मांझी उम्र 35 साल व सवार दुलार मांझी उम्र 50 वर्ष की मौके पर मौत हो गई. दोनों आपस में ममेरा भाई हैं, जो निजी काम से रात्रि लगभग मुड़ागांव से देवभोग की ओर आ रहे थे. बोलेरो खोखमा ग्राम का है, जो सराईपानी से आए मरीज को लेकर वापस लौट रही थी. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया है. दुर्घटना की सूचना ग्रामीणों ने एम्बुलेंस 108 को दिया. मौके से दोनों को अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने बाइक सवार और चालक को मृत घोषित कर दिया।

रेशम उत्पादन की प्रक्रिया समझने उमड़ रही भीड़ : सफेद, रंगीन और पीला मैसूर जैसे कोसे बीज बने आकर्षण का केंद्र

- रेशम कीड़े को देखने बच्चे दिखा रहे विशेष रूचि
- ग्रामोद्योग विकास विभाग के राज्योत्सव स्टॉल बड़ी संख्या में ठहर रहे लोग

रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के मौके पर राज्योत्सव-2024 में ग्रामोद्योग विकास विभाग द्वारा शिल्पग्राम में लगाए गए स्टॉल में रेशम उत्पादन की प्रक्रिया समझने और रेशम की खेती के लिए किसानों और आमनागरिक बड़ी संख्या में ठहर रहे7 विभागीय स्टॉल में प्राकृतिक स्वरुप में रेशम के कीड़ों को देखने के लिए हर वर्ग के लोगों में विशेषकर बच्चे विशेष रूचि दिखा रहे7 इस अवसर पर स्टॉल में तरह-तरह के रेशम बीजों का भी प्रदर्शन किया गया है, जिनमें विशेष रूप से मलबरी सफेद कोया, मलबरी रंगीन कोया, मलबरी पीला मैसूर, मलबरी सफेद रिल्ड, टसर स्पन धागा, टसर बाना धागा, डाबा पालित कोसा एवं रैली साबू बीजों को प्रदर्शित किया गया है7 जिनसे कोसा सिल्क, मलबरी सिल्क, बनारसी, कांजीवरम की साडियां बनाई जाती हैं। विभागीय स्टाल में आए किसानों और आमजनों ने ग्रामोद्योग विकास विभाग की योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारियां ली7 गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ कोसा उत्पादन एवं कोसा वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वन आधारित ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के संकल्प को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ टसर उत्पादन के क्षेत्र में परम्परागत रूप से विशिष्ट स्थान रखता है। रेशम प्रभाग के योजनाओं के जरिए ग्रामीण अंचल में निवासरत जरूरतमंद परिवारों को रोजगार, स्व-रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं। टसर रेशम विकास एवं विस्तार कार्यक्रम, पालित डाबा टसर ककून उत्पादन योजना, नैसर्गिक बीज प्रगुणन एवं कोसा उत्पादन योजना, टसर धागाकरण जैसी योजनाओं का संचालन कर मलबरी रेशम विकास एवं विस्तार कार्यक्रम लघु निर्माण अंतर्गत रेशम एवं टसर केंद्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस अवसर पर स्टॉल में आए लोगों ने निजी क्षेत्र में एक एकड़ शहतूत पौधरोपण एवं कीटपालन को बढ़ावा देने के लिए संचालित नवीन शहतूत रेशम बाड़ी योजना के बारे में भी जाना। प्रदेश में शहतूत रेशम को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्र में रेशम पालन के जरिए स्थायी रोजगार सृजन करने के उद्देश्य से निजी क्षेत्र के लघु एवं सीमांत किसानों के लिए एक एकड़ शहतूत पौधरोपण एवं कीटपालन के लिए नवीन योजना शहतूत रेशम बाड़ी योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत शहतूत का पौधरोपण एवं संधारण, कीटपालन भवन एवं उपकरण और सिंचाई सुविधा के अंतर्गत उपकरण के लिए सहायता राशि प्रदान किया जाएगा, जिससे कृषक शहतूती रेशम उद्योग की स्थापना कर एवं अपने जीविकोपार्जन के लिए स्थायी रोजगार कर सके। इस योजना से जुड़े कृषकों को उनके निजी भूमि में पौधरोपण के उपरांत उन्हें पौधरोपण एवं रेशम कीटपालन से संबंधित सभी तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस योजना में प्रवधानित राशि लगभग 5 लाख रुपए है, जिन्हें मदवार प्रदान किया जाता है। इस तरह से छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएं सुदूर वनांचल से शहरी क्षेत्रों तक आम जनजीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं और उन्हें आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मजबूत बना रहे हैं।

छठ पूजा के लिए स्पेशल ट्रेनों की सुविधा : दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान रेल यात्रियों को स्पेशल ट्रेन में मिलेगी अधिकाधिक कन्फर्म सीट की सुविधा

बिलासपुर | आरएनएस

दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 7,724 विशेष गाडियाँ चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले साल 4,500 विशेष गाडियाँ चलाई गई थीं। ये स्पेशल ट्रेनें। इसके साथ ही स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं, जिसमें कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश की व्यवस्था के साथ भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान शामिल है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से अनेक पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। सनतनगर-रायपुर-सनतनगर के मध्य, दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग एवं बिलासपुर-हडपसर-बिलासपुर के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। (01) सनतनगर-रायपुर-सनतनगर के मध्य 02 फेरे के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। यह ट्रेन सनतनगर से रायपुर के लिए 07023 नंबर के साथ दिनांक 07 एवं 14 नवंबर, 2024 को रवाना होगी। इसी प्रकार रायपुर से सनतनगर के लिए 07024 नंबर के साथ दिनांक 08 एवं 15 नवंबर 2024 को चलेगी। इस ट्रेन में 02 एसएलआर/एसएलआरडी, 02 सामान्य, 11शयनयान, 07 एसीथ्री, 02 एसीटू- सहित 24 कोच रहेगी। इस गाड़ी की विस्तृत समय-सारणी इस प्रकार है:-

(02) इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08795/08796 दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग, फेस्टिवल स्पेशल, दुर्ग से 07 एवं 10 नवंबर 2024 को तथा अमृतसर से 09 एवं 12 नवंबर 2024 को दो फेरे के लिए चलेगी। यह गाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर एवं शहडोल स्टेशनों में ठहरेगी। 08795 दुर्ग-अमृतसर फेस्टिवल स्पेशल दुर्ग से 11.10 बजे रवाना होगी तथा रायपुर 11.45 बजे, उस्लापुर 14.05 बजे, पेंड्रारोड 15.42 बजे, अनूपपुर 16.25 बजे, शहडोल 17.12 बजे, कटनी मुड़वारा 21.05 बजे, दमोह 22.45 बजे, सागर 23.45 बजे, दूसरे दिन बीना मालखेड़ी 01.08 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई 05.05 बजे, ग्वालियर 07.28 बजे, आगरा केंट 09.38 बजे, दिल्ली सफदरगंज 14.25 बजे, अंबाला केंट 18.05 बजे, ढंडारी कला 19.42 बजे, जालंधर 22.00 बजे होते हुए 00.05 बजे अमृतसर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार 08796 अमृतसर-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल अमृतसर से 01.50 बजे रवाना होगी तथा जालंधर 02.55 बजे, ढंडारी कला 04.15 बजे, अंबाला केंट 05.55 बजे, दिल्ली सफदरगंज 10.18 बजे, आगरा केंट 14.58 बजे, ग्वालियर 17.28 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई 20.35 बजे, दूसरे दिन बीना मालखेड़ी 00.08 बजे, सागर 01.15 बजे, दमोह 02.20 बजे, कटनी मुड़वारा 04.05 बजे, शहडोल 06.40 बजे, अनूपपुर 07.25 बजे, पेंड्रारोड 08.10 बजे, उस्लापुर 10.35 बजे, रायपुर 12.55 बजे होते हुए 14.05 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी। (03) बिलासपुर से हड़पसर (पुणे) स्टेशन के लिए स्पेशल ट्रेन 08295/08296 बिलासपुर-हडपसर-बिलासपुर त्योहार स्पेशल एक फेरे के लिए चलाई जा रही। यह गाड़ी 08295 नंबर के साथ बिलासपुर से हडपसर के लिए 08 नवंबर 2024 को एवं 08296 नंबर के साथ हडपसर से बिलासपुर के लिए दिनांक 09 नवंबर 2024 को रवाना होगी। इन गाडियों को विस्तृत समय सारणी इस प्रकार है।

राज्योत्सव में पुलिस स्टॉल को मिला द्वितीय स्थान

मुंगेली-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 05.11.2024 को शहीद धनंजय सिंह राजपूत स्टेडियम मुंगेली में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें जिले में पुलिस एवं प्रशासन के 28 विभागों के स्टॉल लगाये गये थे जिसमें विभाग से संबंधित जानकारियां दी जा रही थी। मुंगेली शहर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बड़ी संख्या में आम जनता इस कार्यक्रम में शामिल होकर शासन के योजनाओं के संबंध में जानकारियां विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों से सीधे प्राप्त कर रहे थे। इस तारतम्य में पुलिस विभाग द्वारा भी अपना स्टॉल लगाया गया था जिसमें साइबर सेल द्वारा साइबर अपराध के संबंध में जानकारी एल0ई0डी0 में फोटो वीडीयो के माध्यम से एवं पॉम्प्लेट वितरण कर लोगों को साइबर अपराध से बचाव हेतु जानकारी दी गई। यातायात शाखा द्वारा भी यातायात संबंधी जानकारी पाम्प्लेट एवं इन्टूमेंट के माध्यम से दी जा रही थी। रक्षित निरीक्षक नरगिस तिग्गा के नेतृत्व में पुलिस विभाग के शस्त्रों एवं बॉडीगार्ड, जाली हेलमेट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की जानकारी प्रर्दशनी के माध्यम से दी जा रही थी। जिसका आम जनता द्वारा अच्छा प्रतिषाद मिला। उपरोक्त स्टॉलों में पुलिस विभाग के स्टॉल द्वितीय उत्कृष्ट स्टॉल हेतु चुना गया।

राज्योत्सव में विभागीय प्रदर्शनी अंतर्गत् आयुष विभाग को मिला प्रथम स्थान

जशपुरनगर | आरएनएस

राज्योत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को कलेक्टर रोहित व्यास और पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित। साथ ही कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति भी प्रदान किए।

विभागीय स्टाल प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विभागों को सम्मानित भी किया गया। जिसमें पहला स्थान आयुष विभाग को दिया गया। जिन्होंने पारम्पारिक चिकित्सा पद्धति सिरोधारा, नस्य, श्वेदन पद्धतियों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त राज्योत्सव में आए लोगों की स्वास्थ्य जांच कर औषधि भी उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार दूसरा स्थान पर मत्स्य विभाग को मिला। जिसमें मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य आखेट की विधियों का प्रदर्शन के साथ मत्स्य आदान सामग्री का भी वितरण किया गया एवं तृतीय स्थान पर जल संसाधन विभाग रहा। जिसके द्वारा पोंगरो एनीकट हाईड्रो पावर आधारित पम्पपिंग योजना का प्रदर्शन एवं उसके लाभों का वर्णन किया गया था।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हुई राजनैतिक दलों की बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से आयोजित राजनैतिक दलों की बैठक उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिकेत साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में जानकारी दी गई कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 29 अक्टूबर 2024 को किया गया जिस पर दावा आपत्ति 28 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक मतदान केन्द्र में नियुक्त बीएलओ,अभिहित अधिकारी के द्वारा दावा आपत्ति (फार्म 6, 7, 8) प्राप्त की जायेगी। अवकाश दिवस (शनिवार-रविवार) 09 एंव 10 तथा 16 व 17 नवम्बर 2024 को विशेष शिविर होगी।

प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) के द्वारा 24 दिसम्बर 2024 तक किया जायेगा एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जायेगा। प्रत्येक मतदान केन्द्र में बीएलए (बूथ लेबल एजेंट) नियुक्त किया जाकर सूची उपलब्ध कराए जाएंगे। बूथ लेबल एजेंट द्वारा एक बार में एक दिन में अधिकतम 10 फार्म एवं सम्पूर्ण पुनरीक्षण अवधि में अधिकतम 30 फार्म आवेदन जमा कर सकते हैं। इससे अधिक फार्म जमा करने की स्थिति में ईआरओ, एईआरओ के समक्ष सत्यापन , घोषणा पत्र के माध्यम से जमा कर सकते हैं। इस पुनरीक्षण कार्यक्रम में चार अर्हता तिथि 01.01.2025, 01.04.2025, 01.07.2025 एवं 01.10.2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नागरिकों के आवेदन पत्र फार्म 06 स्वीकार किये जायेंगे, किन्तु 01.04.2025, 01.07.2025 एंव 1.10.2025 के लिए प्राप्त आवेदन पर कार्यवाही तदसमय की जाएगी।

पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त दावा आपत्ति की सूची तैयार कर मतदान केन्द्र के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर सीईओ की वेबसाईट सीईओ छत्तीसगढ़ डॉट एनआईसी डॉट इन https://ceochhattisgarh.nic.in पर उपलब्ध रहेगी तथा साप्ताहिक दावा आपत्ति की सूची ईआरओ के द्वारा राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को साझा की जाएगी, इससे संबंधित दावा आपत्ति ईआरओ के समक्ष की जा सकती है।मतदाता फोटो परिचय पत्र (इपिक) निर्माण का कार्य प्रिंटोग्राफी सिस्टम्स प्रायवेट लिमिटेड मुम्बई महाराष्ट्र के द्वारा किया जा रहा है। कम्पनी द्वारा कार्ड तैयार कर प्रदाय किया जाता है, जिसका वितरण पोस्ट आफिस के माध्यम से किया जाता है। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने फार्म-6, विलोपन हेतु 'फार्म-7 एंव संशोधन, स्थानांतरण डूप्लीकेट ईपिक कार्ड प्राप्त करने एंव दिव्यांग मतदाता चिन्हित करने के लिये फार्म-8 में वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर्स डॉट एसीआई डॉट जीओवी डॉट इन के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना : हर घर को मिलेगी सस्ती और हरित ऊर्जा

महासमुंद | आरएनएस

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना फरवरी 2024 से लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली प्रदान करना है। इस योजना के तहत, उपभोक्ता अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कर सकते हैं, जो उनकी बिजली जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ ग्रिड में अतिरिक्त ऊर्जा भी सप्लाई करेगा। इसके अतिरिक्त ऊर्जा के बदले में उपभोक्ताओं को आय प्राप्त होगी, जिससे बिजली बिल शून्य होने का लाभ मिल सकता है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज समय-सीमा की बैठक में विद्युत विभाग और क्रेडा विभाग को निर्देश दिए है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप पूर्ति सुनिश्चित करें।

कार्यपालन अभियंता विद्युत भुनेश्वर दीवान ने बताया कि इस योजना के तहत 1 किलोवाट से 3 किलोवाट तक की क्षमता के सोलर संयंत्रों के लिए सब्सिडी का प्रावधान है। जैसे कि 1 किलोवाट संयंत्र के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट संयंत्र के लिए 60,000 रुपये, और 3 किलोवाट संयंत्र के लिए 78,000 रुपये तक की सब्सिडी मिल सकती है। हितग्राही को संयंत्र की कुल लागत का केवल 10 प्रतिशत देना होगा, जबकि शेष राशि पर 7 प्रतिशत ब्याज दर से बैंक ऋण की सुविधा भी है। फरवरी 2024 में लागू हुई इस योजना के तहत महासमुंद जिले में 8000 संयंत्रों का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें कुल 18700 उपभोक्ताओं द्वारा पंजीयन कराया गया है एवं 04 उपभोक्ताओं द्वारा अपने घरों में सोलर संयंत्र स्थापित कर योजना का लाभ प्राप्त किया जा रहा है।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के बाद, वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चयन कर आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। योजना के अंतर्गत स्थापित संयंत्रों के सत्यापन के बाद, सब्सिडी की राशि उपभोक्ता के खाते में सीधे ऑनलाइन भेजी जाएगी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

लोगों को लुभा रही है क्रिटिकल एवं स्ट्रैटेजिक मिनरल्स की प्रदर्शनी

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खनिज विभाग की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण और सामरिक महत्व के खनिजों की आकर्षक प्रदर्शनी नवा रायपुर अटल स्थित राज्योत्सव मेला ग्राउंड में लगाई गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 5 नवंबर को प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में सामरिक महत्व के खनिजों की प्रदर्शनी के साथ ही इसके महत्व और उपयोग की जानकारी भी प्रदर्शित की गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव एवं खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद और खनिज विभाग के संचालक सुनील जैन भी उनके साथ थे। खनिज विभाग के स्टॉल में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में, छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध महत्वपूर्ण एवं सामरिक महत्व के खनिजों के योगदान को दर्शाया गया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लिए क्रिटिकल एवं स्ट्रैटेजिक मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन मिनरल्स में लिथियम, टाईटेनियम, निकल ग्रेफाईट, ग्लुकोनाईट, टिन आदि शामिल है, इन मिनरल्स का उपयोग रक्षा, उर्जा, संचार, अतरिक्ष और परमाणु उद्योगों में किया जाता है। जो देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण है। खनिज विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में 39 मुख्य खनिज ब्लॉकों का ई-नीलामी के माध्यम से आबंटन की योजना है। देश में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉको का ई-नीलामी के माध्यम से सफलतापूर्वक आबंटन हेतु खनिज विभाग द्वारा किये गये प्रयास एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों को भारत सरकार द्वारा 02 राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है। खनिज विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के किटिकल एवं स्ट्रेटजिक मिनरल्स के 07 ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। छत्तीसगढ़ राज्य देश का प्रथम राज्य है, जहाँ लिथियम मिनरल्स का जिला कोरबा स्थित कटघोरा लिथियम ब्लॉक की ई-नीलामी के माध्यम से आबंटन किया गया। है। इन मिनरल्स की खनम् और प्रसस्करण का छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा और देश की प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में छत्तसगढ़ एक महत्वपूर्ण राज्य होगा। वर्ष 2015 में भारत सरकार द्वारा खनिज अधिनियमों एवं नियमों में किये गये व्यापक बदलाव के फलस्वरूप खनिज ब्लॉकों का ईनीलामी के माध्यम से आबंटन का मार्ग प्रशस्त हुआ है जिसके फलस्वरूप अब तक राज्य में कुल 37 मुख्य खनिज ब्लाकों को सफलतापूर्वक नीलाम किया गया है। सफलतापूर्वक आबंटित इन ब्लॉकों में से लौह अयस्क, चूनापत्थर एवं बाक्साईट जैसे बल्क खनिजों के अलावा क्रिटिकल, स्ट्रेटजिक एवं डीपसीटेड मिनरल्स जैसे ग्रेफाईट, ग्लूकोनाईट, निकल क्रोमियम पीजीई एवं गोल्ड के 09 खनिज ब्लॉक्स का सफलतापूर्वक आबंटन किया गया है। छत्तीसगढ़, देश में पहला राज्य है जहां सर्वप्रथम चूनापत्थर खनिज ब्लॉक का आबंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया गया।